## दिनांक 7 ग्रगस्त, 1986

सं० भ्रो॰वि०/ग्राई०/हिसार/88-86/27912 - चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं० चुडामणि विष्णुदेवी प्रसुति हस्पताल, हिसार के श्रमिक श्री डेविड मार्फत बीकी पेन्टर, मकान नं० 343, जयदेव की ढाणी, हिसार तथा उसके अवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई भ्रोडोगिक विवाक्कहैं;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय संमझते हैं;

इसलिए, ग्रव, ग्रीद्योगिक विवाद श्रिष्ठितियम, 1)47, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गर्इ शक्तियों का प्रयोग करते हुये, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रिष्ठसूचना सं० 9641-1-श्रम-78/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970, के साथ गठित सरकारी श्रिष्ठसूचना की धारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत श्रथवा संबंधित है :—

क्या श्री डेविड की सेवाग्रों का समापन न्यायोजित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ग्रो०वि०ग्राई०/हिसार/41-86/27923 — चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० शीप एण्ड वूल डिवलोपमैन्ट हरियाणा, भिवानी, के श्रीमक श्री प्रविन कुमार, पृत्न श्री विशम्बर दासं, मार्पत श्री विजय कुमार वंसल, एडवोकेट, सिरसा तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

भौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को त्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, ग्रव, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रधिसूचना सं० 9641-1-श्रम-78/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970 के साथ गठित सरकारी ग्रधिसूचना की धारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिण्ट करते हैं जोकि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत ग्रथवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री प्रविन कुमार की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

## दिनांक 5 ग्रगस्त, 1986

सं ब्रो॰वि॰/यमुना/94-86/28187.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं॰ डैन्सन इजिनियरज (यमुना गैसिज यूनिट, सरदाना नगर) ग्रम्बाला रोड़, जगाधरी के श्रमिक श्री समग्रेर सिंह, पुल श्री प्रताप सिंह, मार्फत ढा॰ सुरेन्द्र कुमार शर्मा इन्टक ग्राफिस ब्राहमन धर्मशाला, रलवे रोड़ जगाधरी तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई भी शोगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतू निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, ग्रब, भौद्योगिक विवाद श्रवितियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रविसूचना संव 3(44)84-3-श्रम, दिनांक 18 अप्रैल, 1984, द्वारा उक्त श्रविसूचना की धारा 7 के श्रवीन गठित श्रम न्यायालय, श्रम्बाला, को विवादप्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हतु निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त श्रबन्धकों तथा गिक के बीच या तो विवादप्रस्त मामला है था विवाद से सुसंगत ग्रथवा सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री समझेर सिंह की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत की हकदार है?

## दिनांक 12 श्रगस्त, 1986

सं० ग्रो० वि०/यमुना/93-86/28792 — चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं० डैन्सन इजिनियरज (यमुना गैसिज यूनिट सरदाना नगर), ग्रम्बाला रोड़, जगाधरी, के श्रमिक श्री हरजीत सिंह, पुत श्री मुक्द सिंह, मार्फ्डत डा. स्रेन्द्र कुमार शर्मा, इन्टक ग्राफिस, ब्राहमण धर्मशाला, रेलवें रोड़, जगाधरी, तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीधोगिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, ग्रब, श्रौद्योगिक विवाद ग्रधिनियम, 1947, की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा श्रवान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रधिसूचना सं० 3(44)84-3-श्रम, दिनांक 18 ग्रप्रैल, 1984 द्वारा उक्त ग्रधिसूचना की घारा 7 के ग्रधीन गिल्लिश्रम न्यायालय, श्रम्बाला, को विवादग्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेत् निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त श्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत श्रथवा सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री हरजीत सिंह की सेवास्रों का समापन व्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, दो वह किस राहत का हकदार है ?

श्रारः एस० अग्रवाल

उप-सचिव, हरियाणा सरकार, श्रम विभाग ।

## GENERAL ADMINISTRATION (SERVICES)

The 12th August, 1986



No. 50/64/86-S(I).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 20 of the Code of Criminal Procedure, 1973, the Governor of Haryana is pleased to appoint Shri Prem Chand, HCS, Special Collector, Rohtak as an Executive Magistrate in the Rohtak District from the date of his taking over charge of such duties in the District.

No. 50/65/86-S (I).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 20 of the Code of Criminal Procedure, 1973, the Governor of Haryana hereby appoints Shri Jagbir Singh, IAS, Additional Deputy Commissioner-cum-Chief Executive Officer, District Rural Development Agency, Karnal as an Executive Magistrate in the Karnal District from the date of his taking over charge of such duties in the District.

No. 50/66/86-S (1).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 20 of the Code of Criminal Procedure, 1973, the Governor of Haryana is pleased to appoint Shrimati Anuradha Gupta, IAS, Additional Deputy Commissioner-cum-Chief Executive Officer, District Rural Development Agency, Hissar as an Executive Magistrate in the Hissar District from the date of her taking over charge of such duties in the District.

No. 50/92/86-S(I).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 20 of the Code of Criminal Procedure, 1972, the Governor of Haryana is pleased to appoint Shri Inder Singh, HCS, Executive Magistrate in the Mahendragarh District from the date of his taking over charge of such duties in the District.

No. 50/93/86-S(I).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 20 of the Code of Criminal Procedure, 1973, the Governor of Haryana is pleased to appoint Shri Suresh Kumar Goyal, HCS, Executive Magistrate, Sirsa as an Executive Magistrate, in the Sirsa District from the date of his taking over charge of such duties in the District.

No. 50/94/86-S(I).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 20 of the Code of Criminal Procedure, 1973, the Governor of Haryana is pleased to appoint Shri Subhash Chandra, HCS, Executive Magistrate, Kaithal as an Executive Magistrate in the Kurukshetra District from the date of his taking over charge of such duties in the District.